

अंतरिक्ष अभ्यास 2024

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में रक्षा मंत्रालय के तहत रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी ने नई दलिली में अंतरिक्ष संबंधी भारत के पहले अभ्यास, 'अंतरिक्ष अभ्यास' का आयोजन किया।

- **उद्देश्य:** अंतरिक्ष में राष्ट्रीय रणनीतिक उद्देश्यों को सुरक्षित करने के क्रम में अंतरिक्ष आधारित परसिपत्तियों एवं सेवाओं से संबंधित खतरों का अनुकरण और विश्लेषण करना।

प्रमुख लक्ष्य क्षेत्र:

- सैन्य अभियानों में अंतरिक्ष क्षमता के एकीकरण को बढ़ावा देना।
- अंतरिक्ष परसिपत्तियों से संबंधित परिचालन नरिभरता की बेहतर समझ प्रदान करना।
- कमज़ोरियों की पहचान करने के साथ अंतरिक्ष-आधारित सेवाओं में व्यवधान का समाधान करना।
- अंतरिक्ष क्षेत्र का सैन्य उपयोग: सीमा पर घुसपैठ, अवैध गतविधियों एवं मसिाइल प्रक्षेपण का पता लगाने के लिये सशस्त्र बलों द्वारा अंतरिक्ष क्षमताओं का उपयोग नरिणायक है।
- भारत की क्षमता: मार्च 2019 में भारत ने मशिन शक्ति के तहत अंतरिक्ष कक्षा में दुश्मन के उपग्रहों को नष्ट या नष्टिक्रयि करने के लिये डिज़ाइन किये गए एंटी-सैटेलाइट (ASAT) टेस्ट का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- वनियमन: बाह्य अंतरिक्ष संधि, 1967 के अनुसार, बाह्य अंतरिक्ष का उपयोग केवल शांतपूरण कार्यों के लिये ही किया जाना चाहिये।
 - समुद्र तल से 100 किलोमीटर ऊपर स्थिति कार्मन रेखा वह सीमा रेखा है जहाँ से पृथ्वी क्षेत्र समाप्त होने के साथ बाह्य अंतरिक्ष की शुरुआत होती है।

और पढ़ें: स्पेस एंड बयिॉनड: ISRO का उदय